>

Title: Need to ban the use of mobile phone by railway employees at Railway Reservation Centres.

श्री राजाराम पाल (अकबरपुर): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार की माननीया रेल मंत्री के ध्यान में इस सदन के माननीय 545 माननीय सदस्यों की एक पीड़ा और इस देश की एक अरब बीस करोड़ जनता की पीड़ा को लाना चाहता हूं। आज पूरे देश में रेलवे आरक्षण केन्द्र में बैठे कर्मचारियों द्वारा अपने मोबाइल पर बात करते रहने के कारण काउंटर पर बहुत भीड़ लगी रहती है और लोग लम्बी लाइनों में खड़े रहते हैं। जिससे आम आदमी को रेल यात्रा की टिकट लेने में बहुत असुविधा होती है।

महोदय, इस संसद परिसर में भी माननीय सांसदों के लिए एक आरक्षण केन्द्र खोला गया है। लेकिन उसका समय सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक है। मेरी रेल मंत्री जी से मांग है कि इस केन्द्र का समय सुबह आठ बजे से लेकर रात आठ बजे तक किया जाए। इसके अलावा माननीय रेल मंत्री जी ने माननीय सदस्यों के पत्रों पर आम आदमियों के लिए सवारी गाड़ियों में आरक्षण देने की व्यवस्था की है। लेकिन रेल भवन में बैठे कर्मचारी दलालों के चलते इस सदन के सदस्यों द्वारा जो आरक्षण हेतु पत्र दिये जाते हैं, उन्हें दरकिनार कर दिया जाता है और दलालों के पत्रों पर खुलेआम लूट हो रही है। जिसके कारण माननीय सदस्यों के प्रिविलेज का निश्चित तौर पर हनन हो रहा है और आम जनता जो दिल्ली आकर अपना इलाज कराना चाहती है, उसे इलाज के लिए जो प्राथमिकता मिलनी चाहिए, उसे रेलगाड़ियों में जो आरक्षण मिलना चाहिए, वह भी नहीं मिल रहा है।

मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी से मांग करता हूं कि ऐसे कर्मचारियों के लिए ड्यूटी के समय मोबाइल पर बात करने पर प्रतिबंध लगाया जाए, ताकि आम लोगों को लम्बी लाइनों में खड़े रहने की जरूरत न पड़े और सांसदों के पत्रों पर प्राथमिकता पर आरक्षण दिया जाए। यही मांग मैं आपके माध्यम से सरकार से करना चाहता हूं।